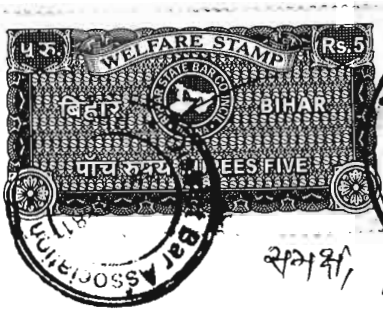

बिहार JUDICIAL BIHAR INDIA
STAMP DUTY 374149
WELFARE STAMP बिहार BIHAR पाँच रुपये RUPEES FIVE Rs.5
Dasrath Sah Advocate Notary R.No-2854/10 Bhagalpur
GOVT. OF BIHAR

समक्ष, ... अभियान, ... पीरपैंती, भागलपुर

Sl. No. 06 ..... Date 03 ... शपथ पत्र

निर्वाचन क्षेत्र से (निर्वाचन क्षेत्र का नाम) 26, भागलपुर लोकसभा ....(सदन का नाम) के लिये निर्वाचन के लिये रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र

भाग—क

मैं निशिकान्त मंडल **पुत्र/~~पुत्री~~/~~पत्नी~~ अवध नारायण मंडल .... आयु 28 वर्ष, जो ग्राम एवं पत्रालय – किसनदासपुर थाना – खुटहा(?), प्रखंड – कहलगाँव, भागलपुर ....(डाक का पूरा पता लिखें) का/~~की~~ निवासी हूँ, और उपरोक्त निवार्चन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/~~करती~~ हूँ, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/~~करती~~ हूँ :–

(1) मैं ... मुक्ति पार्टी ....(** राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/~~**एक स्वतंत्र अभ्यार्थी~~ के रूप में लड़ रहा है।

(**जो लागू न हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम 154, पीरपैंती - विधान सभा बिहार (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं0 09 के कम सं0 570 पद प्रविष्ट है।

(3) मेरा संपर्क टेलीफोन नं0 ....शून्य............है/हैं और मेरा ई–मेल आईडी (यदि कोई हो तो).......शून्य.......................है।

(4) स्थाई लेखा संक्ष्याक (पैन) के ब्यौरे और आय–कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :

कम सं0	नाम	पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रूपये में)
	शून्य	शून्य		
1	स्वयं	शून्य	शून्य	शून्य
2	पति या पत्नी	शून्य	शून्य	शून्य
3	आश्रित –1	शून्य	शून्य	शून्य
4	आश्रित –2	शून्य	शून्य	शून्य
5	आश्रित –3	शून्य	शून्य	शून्य

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त हैं तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी :–

(i) निम्नालिखत मामला (मामले) मेरे विरूद्ध लंबित हैं जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिये न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया हैं/किए गए हैं।

(क)	मामला/ प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/ संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना / जिला / राज्य के पूर्ण ब्यौरे	शून्य
(ख)	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराए)और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिये आरोपित किया गया हैं	शून्य
(ग)	न्यायालय का नाम , मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	शून्य
(घ)	न्यायालय ,जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई	शून्य
(ड.)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे	शून्य
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई हैं/है	शून्य

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरूद्ध लंबित हैं /है जिसमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया हैं {पूर्वोक्त (i) में वर्णित मामलों से भिन्न }

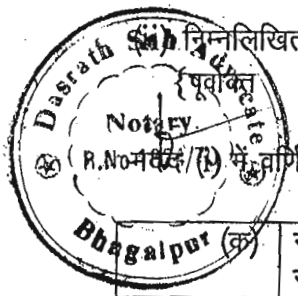

(क)	न्यायालय का नाम , मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	शून्य
(ख)	उन मामलों के ब्योरे जहाँ न्यायालय ने संज्ञान लिया हैं , अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धराए)और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके)लिये संज्ञान लिया गया हैं	शून्य
(ग)	पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरूद्ध पुनरीक्षण के लिये फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन(आवेदनों)(यदि कोई हों) के ब्यौरे	शून्य

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951(1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा(2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अंतर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न, के लिये सिद्धदोष ठहराया गया हैं / नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिये कारावास का दंडादेश दिया गया हैं / नहीं दिया गया हैं : शून्य

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया हैं तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा: शून्य

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया हैं और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया हैं: शून्य

(क)	उन मामलों के ब्यौरे, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिये सिद्धदोष ठहराया गया हैं	शून्य
(ख)	न्यायालय (न्यायालयों) का नाम , मामला संख्या और आदेश (आदेशों) की तारीख(तारीखें)	शून्य
(ग)	अधिरोपित दंड	शून्य
(घ)	क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरूद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/ हैं । यदि हॉ , तो अपील के ब्यौरों और वर्तमान प्रास्थिति	शून्य

(7) मैं मेरे ,मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों(जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूं ।

अ.जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1–संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना हैं ।

टिप्पण 2– जमा/विनिधान की दशा में कम सं0,रकम, ,जमा की तारीख, स्कीम, बैंक / संस्था का नाम और ब्याज सहित ब्यौरे दिये जाने हैं ।

टिप्पण 3– सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों / शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए ।

टिप्पण 4– यहॉ आश्रित का वही अर्थ हैं जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम,1951 की धारा 75 क के अधीन स्पष्टीकरण (5) में हैं ।

टिप्पण 5– रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिये जाने हैं ।

Dasrath Singh Advocate Notary R.No-1824/70 Bhagalpur

कम सं0	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	अश्रित–1	अश्रित–2	अश्रित–3
(i)	हाथ में नकदी	२,00000/-	20,000/-	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी है) , वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	यूको बैंक किसनदेवपुर 65,558/- भारतीय स्टेट बैंक शिवनारायणपुर 7,7,61/-	एस.बी.आई शिवनारायणपुर 23,034/-	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iV)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत ,बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्ही वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(V)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और श्रणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(VI)	मोटरयान/वायुयान/याट/पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम)	स्कॉरपियो BR-10 P 5903 2011 4,54,512	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(VII)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	बैंक खाता [illegible] 2 भर सोना 60,000/-	20 भर सोना 6,00000/- 1 किलो चाँदी 50,000/-	शून्य	शून्य	शून्य
(VIII)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(IX)	समग्र कुल मूल्य	7,87,831/-	6,93034/-	शून्य	शून्य	शून्य

आ. स्थावर आस्तियों ब्यौरे

टिप्पण 1 – संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदार्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 – प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस प्रारूप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

कम सं0	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	अश्रित–1	अश्रित–2	अश्रित–3
(i)	कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र(एकड़ में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (कय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	गैर कृषि भूमि : अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है(हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में कय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (कय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

Dasrath Sah Adv. Notary R.No-1624/70 Bhagalpur

(iii)	वाणिज्यिक भवन (अपार्टमेन्ट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएँ)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्गफुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्गफुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हॉ या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वअर्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास , संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	आवासीय भवन (अपार्टमेन्ट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हॉ या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वअर्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास , संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूं :–

(टिप्पण : कृपया बैंक ,संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरों का पृथक विवरण दें)

क्र0 सं0	विवरण	स्वंय	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	बैंक /वित्तीय संस्था (संस्थाओं को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम , बकाया , रकम ,ऋण की प्रकृति	वाहन ऋण– ~~303541/-~~ 3,03,354/- यूको बैंक किशनगंज	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम,बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कोई अन्य दायित्व	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	दायित्यवों का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	सरकारी शोध्यः सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	टेलीफोन /मोबाईल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकाप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	आय–कर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	धनकर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	सेवाकर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	नगरपालिका /संपत्ति कर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विक्रय कर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कोई अन्य शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हॉ तो अंतर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है का वर्णन करें ।	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

Dasrath Sah Advocate Notary R.No-[illegible] Bhagalpur

(9) वृति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं [illegible]

(ख) पति या पत्नी [illegible]

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिये अनुसार है :–

(प्रमाणपत्र/ डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रय के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय /विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय /महाविद्यालय /विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रय पूरा किया गया था ,का ब्यौरा दें) शून्य

भाग –ख

(11) भाग–क के (1) से (10) तक में दिए गये ब्यौरे का उद्धहरण

1	अभ्यर्थी का नाम	श्री/श्रीमती/कु0 निशिकान्त मंडल
2	डाक का पता	ग्राम एवं पत्रालय – किसनदासपुर थाना – [illegible], प्रखंड – कहलगाँव जिला – भागलपुर – 813222
3	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य	26, भागलपुर, 154 पीरपैंती, 09, 579 (बिहार)
4	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है(अन्यथा स्वतंत्र लिखें)	बहुजन मुक्ति पार्टी
5	(1) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किए गए है।	शून्य
	(2) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय (न्यायालयों) ने संज्ञान लिया है (उपर मद (1) उल्लिखित मामलों से भिन्न)	शून्य
6	ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्धदोष ठहराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया है।(लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 की उपधारा (1) उपधारा (2) या उपधारा (3) में निर्दिष्ट अपराधो के सिवाए)	शून्य

		...............का स्थायी लेखा सं0	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है	कुल दर्शित आय
	(क) अभ्यर्थी	शून्य	शून्य	शून्य
	(ख) पति या पत्नी	शून्य	शून्य	शून्य
	(ग) आश्रित	शून्य	शून्य	शून्य

8	आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे(रूपये में)					
	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
क	जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
ख	स्थावर आस्तियां	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	I. स्वअर्जित स्थावर संपति की कय कीमत	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

	II.	क्रय के पश्चात् स्थावर संपति की विकास /संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	III.	निम्नलिखित की अनुमानित वर्त्तमान बाजार कीमत	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
		(क) स्वर्जित आस्तियां(कुल मूल्य) (ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9		दायित्व	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण(कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
10		ऐसे दायित्व जो विवादाधीन है शून्य					
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
11		उच्चतम शैक्षिक अर्हताः बी० ए० (ऑनर्स इतिहास), बी० एड० पटना कॉलेज, पटना ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय					
		(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।)					

Dasrath Sah Advocate Notary R.No. 1424/70 Bhagalpur

सत्यापन

मैं, उपर उल्लिखित अभियाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथपत्र की विषय–वस्तु मेरी सर्वोतम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है. तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मै यह और घोषणा करता हूँ कि:–

(क) मेरे विरूद्ध उपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामलें से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है:

(ख) मेरी पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास उपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8,9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 03.04.2014 को सत्यापित किया गया।

पहचानकर्ता कमलाकान्त शाह अधिवक्ता 03.04.2014

Sri/Smt. Nishikant Mandal
Identified By Advocate K.K. Sah
Have Solemnly Affirm
And Declared Before Me

निशि कान्त मंडल
अभिसाक्षी

Public Notary
Bhagalpur

टिप्पण 1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को 3:00 बजे अपराहन तक फाईल किया जाना चाहिए।

टिप्पण 2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण 3. सभी स्तांभों को भारा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़े, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जनकारी नहीं है तो, यथास्थित "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण 4. शपथपत्र टंकिक या सुपाठ्यरूप से साफ–साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण–5. माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 13.09.2013 को WP(c) संख्या 121–2008 में रिसजेंस इंडिया बनाम भारत निर्वाचन आयोग एवं अन्य, के मामले में अभ्यर्थियों द्वारा अपूर्ण शपथ–पत्र दाखिल किये जाने के संबंध में दिए गये न्याय निर्णय के आलोक में अभ्यर्थी द्वारा शपथ पत्र के सभी स्तंभो को भरा जाना है। कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जा सकता है। शपथ पत्र प्रस्तुत किये जाते समय निर्वाची पदाधिकारी द्वारा यह जॉच कर लिया जाना है कि नाम निर्देशन पत्र के साथ दाखिल किये गये शपथ पत्र के सभी स्तंभ भर लिये गये हैं, अगर ऐसा नहीं किया गया है तो निर्वाची पदाधिकारी, अभ्यर्थी को खाली स्तंभो के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने हेतु स्मार देंगे। माननीय न्यायालय का न्याय निर्णय है कि अगर किसी मद में उपलब्ध कराये जाने हेतु कोई जानकारी नहीं है तो 'शून्य' या 'लागू नहीं' या 'ज्ञात नहीं' जो उपयुक्त हो, ऐसे स्तंभ में दर्ज किये जायेंगें। उनके द्वारा कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जाना है। यदि अभ्यर्थी स्मार दिये जाने के बाद भी स्तंभ को भरे जाने में असफल होता है तो नाम निर्देशन पत्र की सवीक्षा के समय नाम निर्देशन पत्र निर्वाची पदाधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिये जायेंगे।

टिप्पण–6 शपथ पत्र के पारा 3 में जानकारी निम्नलिखित रूप में उपलब्ध करायी जायेगी।

" मेरा दूरभाष सम्पर्क संख्या/संख्यायें है/हैं.....शून्य.....

मेरा ई–मेल आई0डी0 (अगर कोई हो) है.....शून्य.....

एवं मेरा सोशल मीडिया एकांउट्स (अगर कोई हो) है.....शून्य.....